RAJYA SABHA

Wednesday, the 18th February, 2009/29 Magha, 1930 (Saka)

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

MEMBERS SWORN

1. Dr. Farooq Abdullah (Jammu and Kashmir)

2. Shri Mohammad Shafi (Jammu and Kashmir)

————————

RE. CONCERN ABOUT THE DEVASTATION CAUSED BY FLOODS IN THE KOSI RIVER

MR. CHAIRMAN: Question No. 41. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवानन्द तिवारी : सभापति महोदय, बिहार में जो कोसी का तटबंध टूटा था, प्रधान मंत्री जी ने उसको राष्ट्रीय आपदा घोषित किया है और केन्द्र की सरकार वहां किसी तरह की सहायता नहीं दे रही है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : देखिए, यह विषय Question Hour के बाद भी उठाया जा सकता है, लेकिन अभी नहीं उठाया जा सकता है। कृपया आप तशरीफ़ रखिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवानन्द तिवारी : सभापति महोदय, बिहार के लिए 14,800 करोड़ रुपए का पैकेज बनाया गया ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : देखिए, प्रश्न काल को चलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवानन्द तिवारी : सभापति महोदय, केन्द्र सरकार बिहार की जनता की कोई सहायता नहीं कर रही है....(व्यवधान)....

श्री शरद यादव : सभापति महोदय, यदि पचास लाख लोगों का सवाल नहीं उठाया गया तो बहुत दिक्कत की बात होगी। मैं आपके माध्यम से इस सदन से विनती करना चाहता हूँ कि बिहार में कोसी की जो बाढ़ थी, वह बाढ़ नहीं थी, बल्कि वहां समुद्र बन गया है। वहां मकान, सड़क, खेत, खलिहान सारी चीज़ें तबाह हो गई है। केन्द्रीय सरकार की ओर से एक केन्द्रीय टीम गई ...(**व्यवधान**)....

श्री राजनीति प्रसाद : वहां की सरकार के कारण ही ऐसा हुआ, वरना नहीं होता ...(**व्यवधान**)...

श्री शरद यादव : सभापति महोदय ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : शरद जी, शरद जी ...(**व्यवधान**)...

श्री एम. वेंकैया नायडु : सभापति जी, वह जो बोल रहे हैं, उनको बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : देखिए, सब बोल रहे हैं तो कौन सुन रहा है ...(**व्यवधान**)...

श्री शरद यादव : सभापति महोदय, शिवानन्द तिवारी जी ने सवाल उठाया है। मैं आपसे विनती करना चाहता हूँ कि उन्होंने यहां यह सवाल ऐसे नहीं उठाया है। बिहार सरकार के मुख्य मंत्री भारत सरकार से मिले।

भारत सरकार की टीम ने वहां का visit किया। मैंने प्रधान मंत्री जी से विनती किया। भारत सरकार और राज्य सरकार ने मकान के लिए, सड़क के लिए, अस्पताल के लिए और स्कूल आदि के लिए 14,800 करोड़ रुपए का पैकेज बनाया। अभी मैं वहां का दौरा करके आया हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री गिरीश कुमार सांगी : सभापति महोदय, हमने बिहार के पूर्णिया में बहुत बड़ा रिलीफ कैम्प लगाया है ...(**व्यवधान**)...

श्री शरद यादव : सभापति महोदय, ऐसी त्रासदी और ऐसी तबाही कभी नहीं हुई है। देश भर में आपने कभी भी किसी मामले को राष्ट्रीय आपदा नहीं घोषित किया है, लेकिन इस मामले को आपने राष्ट्रीय आपदा घोषित किया है। बिहार सरकार की हालत के बारे में आप जानते ही हैं कि वह सरकार हर तरह की आर्थिक दिक्कत में फंसी हुई सरकार है। वहां इतना बड़ा काम अकेले नहीं हो सकता है। वह काम हमारा और आपका साझा है। वह साझा बगैर साझेदारी के नहीं हो सकता है। यह राष्ट्रीय विपदा अकेले हमारी नहीं है, यह पूरे देश की है और इस देश की विपदा को अकेले हमारे सिर पर डालकर आप भागना चाहते हैं। हमने दूसरी बार अनाज के लिए कहा, तो एफ.सी.आई. से आपने अनाज नहीं दिया। मैं प्रधान मंत्री से मिला, मुख्य मंत्री से मिला। आपने वह नहीं दिया। .....(व्यवधान)....

MR. CHAIRMAN: Please. Just a minute please. ...*(Interruptions)*... Just a minute please. ...*(Interruptions)*..

श्री गिरीश कुमार सांगी : बिहार में हमने कैम्प लगाया है। ....(व्यवधान)....

श्री शरद यादव : सभापति जी, मेरी आपसे विनती है कि वहां .....(व्यवधान).... मैं दौरा करके आया हूं। ....(व्यवधान).... वहां लोग इतनी ज्यादा ठंड में ठिठुर रहे हैं, सारी परिस्थिति देखने के बाद, सरकार के पास बार-बार आवेदन करने के बाद, आज मैं खड़ा हुआ हूं। आपके सामने मैं कभी क्वेश्चन ऑवर में खड़ा नहीं हुआ, लेकिन अभी मुझे मजबूरी में खड़ा होना पड़ रहा है। ....(व्यवधान)....

श्री सभापति : आपकी बात कोई नहीं सुन रहा है इस शोर में ! ....(व्यवधान).....

श्री शरद यादव : सरकार इस मामले में कुछ भी करने को तैयार नहीं है। ....(व्यवधान).... कैसे हम रीकंस्ट्रक्शन करेंगे? ....(व्यवधान)....

श्री सभापति : अच्छा, शरद जी.....(व्यवधान)....

श्री शरद यादव : सरकार की तरफ से एक भी ....(व्यवधान)....

श्री सभापति : अब आप अपनी बात खत्म कर लें, ताकि क्वेश्चन ऑवर आगे चले।

श्री शरद यादव : इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि ....(व्यवधान).....

श्री एस.एस. अहलुवालिया : महोदय, यह महत्वपूर्ण मुद्दा है, इस पर तो बहस होनी चाहिए।

श्री एम.वेंकैया नायडु : महोदय, सरकार को इस पर respond करना चाहिए। Government should respond....*(Interruptions)*..

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, the Government should respond. This is a serious matter. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please. ...*(Interruptions)*...Please let the Minister for Parliamentary Affairs...*(Interruptions)*..

श्री एस.एस. अहलुवालिया : इतनी बड़ी आपदा आई है, उसके बारे में सरकार, वित्त मंत्री या प्रधान मंत्री आएं और जवाब दें। ...(**व्यवधान**)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI V. NARAYANASAMY): Sir, hon. Members have expressed concern about the devastation caused by floods in the Kosi river and the sufferings caused to the people. I shall bring it to the notice of the hon. Minister and request him... *(Interruptions)*...

श्री शरद यादव : नहीं सर, प्रधान मंत्री के नोटिस में आप लाइए। इसमें किसी मिनिस्टर से काम नहीं चलेगा। ...(**व्यवधान**)...

SHRI V. NARAYANASAMY: We would have to take it to the hon. Minister...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: The Minister is present here. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, यह होम मिनिस्ट्री के अंतर्गत आता है। Why would he bring it to the notice of the Minister?

SHRI S.S. AHLUWALIA: The Home Minister is present here. He is in charge of this...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: The Minister is present here. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please...*(Interruptions)*...

SHRI V. NARAYANASAMY: Calamity relief measures...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Let the Minister complete. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: The Home Minister can respond directly. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. NARAYANASAMY: There is a committee constituted by... *(Interruptions)*...

श्री शरद यादव : हमारी मांग इतनी है कि होम मिनिस्टर साहब इस पर बोलेंगे, तो ज्यादा effect आएगा। ...(**व्यवधान**)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, relief and rehabilitation management... *(Interruptions)*...

श्री सभापति: देखिए...(व्यवधान)... प्लीज़....अहलुवालिया साहब... ....(व्यवधान).... प्लीज़.....(व्यवधान)....

SHRI V. NARAYANASAMY: That committee is to take care of...*(Interruptions)*... Hon. Members have raised the issue just now. We shall get back to the House after talking to the hon. Minister. ...*(Interruptions)*...We will...*(Interruptions)*...by the Government in this regard.

MR. CHAIRMAN: All right. ...*(Interruptions)*... Now, let us proceed with the Question Hour...*(Interruptions)*... आपने अपनी बात कह दी। ....(व्यवधान)....

श्री शरद यादव : मैं अपनी बात पूरी नहीं रख पाया। यदि आपकी अनुमति हो, तो मैं यह मेमोरेंडम, जो मैं पूरा कहना चाहता था, सभा पटल पर रख दूं?

श्री सभापति : नहीं, क्वेश्चन ऑवर में इसकी कोई प्रथा नहीं है। There is no practice like this. Question No. 41, please.

————————